दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 80 रविवार 11 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी को मातृ शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी की माता यशोदा देवी (82) का शुक्रवार रात करीब नौ बजे पैतृक गांव तेलियाजोत स्थित आवास पर हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वह एक दिन पूर्व लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल से उपचार के बाद घर लौटी थीं। कुछ दिन पहले उनका पैर फ्रैक्चर हो गया था। तीन पुत्र सुभाष द्विवेदी, हरीश द्विवेदी एवं बागीश द्विवेदी तथा एक पुत्री हैं।

उनका अंतिम संस्कार शनिवार दोपहर 12 बजे अयोध्या में सरयू नदी के तट पर किया गया। उनके निधन की सूचना से क्षेत्र में शोक की लहर है। अनेक जनप्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त किया है।

सोनम वांगचुक ने दिया भूख हड़ताल की चेतावनी

नई दिल्ली (आभा)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने राजधानी दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लेकर बड़ी चेतावनी दी है। शनिवार शाम को उन्होंने कहा कि अगर हिरासत में लिए गए नेताओं को रविवार तक रिहा नहीं किया गया, तो वह भूख हड़ताल या पैदल मार्च शुरू कर सकते हैं। उन्होंने भारत के मौजूदा हालात को अघोषित आपातकाल बताते हुए चिंता जताई। वांगचुक ने कहा कि उन्होंने प्रदर्शन से पहले लोगों से एकजुटता और शांति बनाए रखने की अपील की थी, लेकिन उन्हें अंदाजा नहीं था कि आंदोलन से जुड़े नेताओं को ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दिल्ली में प्रदर्शन के लिए आए सीजेपी नेताओं (अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका) को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इनके अलावा करीब 1500 अन्य प्रदर्शनकारियों को भी हिरासत में लिया गया है। इस बीच, सोनम वांगचुक ने उम्मीद जताई कि हिरासत में लिए गए नेताओं को जल्द रिहा कर दिया जाएगा।

करंट से युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती।) घर मे कपड़ा प्रेस कर रहे युवक विद्युत स्पर्शघात के चपेट में आ गया और वह गिर गया। स्वजनों ने सीएचसी कुदरहा ले गये। चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

लालगंज थाना क्षेत्र के जिभियांव गांव निवासी 23 वर्षीय विजय मौर्य पुत्र मोतीलाल शनिवार की सुबह स्नान करने के बाद कपड़ा प्रेस करने लगे। प्रेस का तार कटा था और अचानक स्पर्श हो गया। जिससे वह गया और तार सीने से चिपक गया। आवाज सुन स्वजन पहुंचे और बोर्ड से पलक निकाल सीएचसी कुदरहा ले गए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

प्रभारी चिकित्साधिकारी डा फैज वारिस ने बताया कि सीने से तार चिपकने के कारण वहां झुलस गया था। केंद्र पर आने के पहले मौत हो चुकी थी।

चौकी इंचार्ज रुदल बहादुर सिंह ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर के लिए भेज दिया गया। घर का इकलौता कमाऊ था विजयरू विजय घर का होनहार और कमाऊ पुत्र था। वह महादेवा चौराहे पर मेडिकल स्टोर चला कर परिवार का भरण पोषण करता था। वह तीन भाइयों और एक बहन में तीसरे स्थान का था। पत्नी प्रियंका अचेत हो जा रही थी। गोद में सात माह की बेटी लिए दहाड मारकर रो रही थी।

किले में बदली दिल्ली: 7 हजार हिरासत में

नई दिल्ली (आभा) दिल्ली पुलिस की सख्ती की वजह से शाम 5 बजे तक कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारी जंतर–मंतर तक नहीं पहुंच पाए। पुलिस ने सीजेपी की लीडरशिप अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को सुबह ही एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया।

पार्टी ने सुबह 10 बजे जंतर–मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था। समर्थकों ने यहां पहुंचने की कोशिश भी की, लेकिन कई जगह 3 से 5 लेयर की बैरिकडिंग की वजह से आगे नहीं बढ़ने दिया। अब तक 7000 लोगों को कस्टडी में लिया गया। इस दौरान ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस से झड़प की एक या दो घटनाएं सामने आईं। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग भी तोड़ी। आकाशवाणी भवन के पास पत्थर फेंके, जिससे 2 पुलिसकर्मी घायल हो गए। सीजेपी ने मतदाता सूची में गड़बड़ियों और ˆप्ट के विरोध में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर–मंतर पर प्रदर्शन का आह्वान किया था।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने कहा है कि हम सरकार से नहीं डरेंगे। हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने जानकारी दी कि सुरक्षा कारणों से शुक्रवार रात 9 बजे से बंद 45 मेट्रो स्टेशन शनिवार रात (10 अक्टूबर) 10 बजे तक बंद रहेंगे। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां स्थिति की समीक्षा करेंगी और उसी के अनुसार जरूरी जानकारी दी जाएगी।

साकेत कोर्ट ने सीजेपी की लीगल अफेयर्स हेड, रत्ना सिंह की ओर से दायर उस अर्जी को खारिज कर दिया, जिसमें पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। आरोप था कि पुलिस ने उन्हें उनके घर पर ही हिरासत में ले लिया था। अर्जी में उन्हें तुरंत रिहा करने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी। शाम को पुलिस ने उन्हें रिहा कर दिया। अर्जी खारिज कर दी गई है।

भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने कहा, आज जो दिन भर से चला है और इसके पहले तीन दिन तक चला है, उससे दो बातें स्पष्ट आई हैं। अराजकता को प्रोत्साहित करने की कोशिश को भारत के लोकतंत्र ने ध्वस्त किया है। एक और संदेश गया है कि देश संसद से चलेगा, सड़क से नहीं।

शिव सेना ने श्राद्ध, तर्पण कर पितरों को दिया विदाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शिव सेना यूबीटी जिला इकाई द्वारा शनिवार को सिद्धेश्वर शिव मंदिर अमहट घाट पर सामूहिक श्राद्ध, तर्पण का आयोजन कर पितरों को विदाई दी गई। जिला प्रमुख ई. रूपेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि वैदिक परम्परा के अनुसार देश के महान अमर शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राम जन्म भूमि आन्दोलन में प्राणोत्सर्ग करने वाले शहीद कारसेवकों और कोख में मार देने वाली बेटियों को विधि विधान से श्राद्ध, तर्पण किया गया। कार्यक्रम में शिवसैनिकों के साथ ही अनेक सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने योगदान दिया। शिवसेना प्रदेश सचिव संजय प्रधान ने परम्परानुसार श्राद्ध, तर्पण करते हुये कहा कि शिवसेना निरन्तर यह कार्य ज्ञात, अज्ञात लोगों के आत्मा की शांति के लिये करती है ।

शनिवार को उपस्थित लोगों ने कुंआनों के पवित्र तट पर श्राद्ध तर्पण के साथ ही पितरों से सुख समृद्धि का आर्शीवाद मांगा। ब्राम्हणों को दान दक्षिणा के साथ फलाहार कराया गया।

अमहट घाट पर आयोजित श्राद्ध, तर्पण में मुख्य रूप से राधेश्याम शुक्ल, प्रमोद पाण्डेय, वरूणेश शुक्ल, विनय सिंह, दिलीप दूबे, अजय कुमार चौधरी, मुनीम जी, कन्हैया मास्टर, सुरेश निषाद, शिवेश शुक्ल, अमित गुप्ता के साथ ही अनेक शिव सैनिकों ने योगदान दिया।

तीसरे दिन भी जारी रहा स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार: मरीज बेहाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ का प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत संविदा कर्मचारियों की लंबित मांगों को आयोजित धरना और कार्य बहिष्कार तीसरे दिन भी मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर जारी रहा। संविदा चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल के कारण स्वास्थ्य सेवायें बुरी तरह से लड़खड़ा गयी हैं और मरीजों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदेश महामंत्री डा. आदित्य भारती, मण्डल अध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा, जिलाध्यक्ष डा. अजय कुमार के नेतृत्व में आयोजित धरने में वक्ताओं ने कहा कि संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, समान कार्य–समान वेतन और सेवा सुरक्षा सहित अन्य मांगों को सरकार ने यदि माना तो 12 अक्टूबर को लखनऊ में प्रदर्शन किया जायेगा। जनपद के 1100 संविदा स्वास्थ्यकर्मियों ने कार्य बहिष्कार में हिस्सा लिया। कहा कि लखनऊ के प्रदर्शन की तैयारियां तेज हो गयी है। संघ के प्रदेश महामंत्री डा. आदित्य भारती, मंडल अध्यक्ष डा वीके वर्मा जिलाध्यक्ष डा. अजय कुमार ने कहा कि उनकी जायज मांगों को अनसुनी किया जा रहा है।

–12 अक्टूबर को लखनऊ में व्यापक प्रदर्शन की तैयारी

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर तीसरे दिन हुये धरने और कार्य बहिष्कार के दौरान मुख्य रूप से डा. आनन्द गौरव शुक्ला, डा. राकेश कुमार, डा. प्रदीप शुक्ला, डा. जुनेद अहमद, डा. इन्द्रेश चौधरी, डा. राम प्रकाश, डा. श्रद्धा सिंह, डा. दीपिका सचान, डा. नीलम चौधरी, डा. सतीश चौधरी, डा. ए.के. दूबे, डा. पी.एन. चौधरी, डा. धर्मेन्द्र चौधरी, डा. सुनील सौरभ, डा. रवि वर्मा, डा. नफीस खान, डा. साजिया, डा. अनिल मिश्र, डा. आमिश कुमार, डा. दिनेश सिंह कुशवाहा, डा. अजय कुमार, डा. नीरज त्रिपाठी, डा. अमिश कुमार, डा. अमित पाण्डेय, डा. राकेश कुमार, विवेक मिश्र, शशि मौली रतन पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, राजकुमार, अनीता देवी, अनुराधा सिंह, राजकुमार प्रजापति, प्रभाकर श्रीवास्तव, राघवेन्द्र त्रिपाठी, विवेक कुमार यादव, शिव भूषण श्रीवास्तव, रविन्द्र चौधरी, रीतेश कुमार सिंह, भगवान स्वरूप, कृष्ण मोहन सिंह, विजय वर्मा, मेराज अहमद, विवेकानन्द सिंह, रविन्द्र पटेल, प्रदीप यादव, विकास गौड़, जमील अहमद, उमेश श्रीवास्तव, डा. नीरज यादव, अवधेश मिश्र, अखिलेश चतुर्वेदी, पूजा गौड के साथ ही बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी शामिल रहे।

समाजवादियों ने पुण्य तिथि पर संस्थापक मुलायम सिंह यादव को किया नमन्, वृद्धा आश्रम में फल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी के संस्थापक पूर्व मुख्यमंत्री एवं देश के रक्षा मंत्री रहे मुलायम सिंह यादव को उनकी चौथी पुण्य तिथि पर नमन् किया गया। शनिवार को सपा कार्यालय पर पार्टी जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के साथ ही पार्टी के अनेक नेताओं, कार्यकर्ताओं ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा किया। इसी क्रम में वृद्धा आश्रम में फल का वितरण किया गया।

सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव प्रदेश ही नहीं वरन राष्ट्रीय राजनीति के मुख्य धुरी थे। उनको हजारों कार्यकर्ताओं के नाम याद रहते थे। वे कार्यकर्ताओं के दिलों में बसे हैं। उन्होने किसानों, नौजवानों, व्यापारियों के साथ ही समाज के सभी वर्गो के उत्थान के लिये सदैव कार्य किया। वे अपने योगदान के लिये युगों तक याद किये जायेंगे। उनका अधूरा सपना पूरा करने का दायित्व सभी समाजवादियों का है। कहा कि मुलायम सिंह यादव 'नेताजी' की राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धान्तों में अटूट आस्था थी। भारतीय भाषाओं, भारतीय संस्कृति और शोषित पीड़ित वर्गों के हितों के लिए उनका अनवरत संघर्ष जारी रहा । उनके पद चिन्हों पर चलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समाजवादी विचारधारा को आगे बढा रहे हैं।

-कार्यकर्ताओं के दिलों में बसे हैं नेताजी मुलायम सिंह यादव- महेन्द्रनाथ यादव

कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' श्रीपति सिंह, पूर्व विधायक रामजियावन, दयाशंकर मिश्र, मो. स्वालेह, जावेद पिण्डरी, राजकपूर यादव, गुलाम गौस, मो. सलीम, समीर चौधरी, गीता भारती, विजय विक्रम आर्य, अरविन्द सोनकर, राजेन्द्र चौरसिया, अरविन्द यादव, रन बहादुर, आर.डी. निषाद, राघवेन्द्र सिंह, जोखूलाल, राजेन्द्र यादव, सुरेन्द्र सिंह 'छोटे' अजीत सिंह, जर्सी यादव आदि ने सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव को नमन् करते हुये उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा किया। कहा कि समाजवादी पार्टी अपने लक्ष्य को पूरा करे यही नेताजी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कहा कि एक साधारण किसान परिवार में जन्म लेने वाले मुलायम सिंह ने अपना राजनीतिक जीवन उत्तर प्रदेश में विधायक के रूप में शुरू किया। बहुत कम समय में ही मुलायम सिंह का प्रभाव पूरे उत्तर प्रदेश में नजर आने लगा। मुलायम सिंह ने उत्तर प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग समाज का सामाजिक स्तर को ऊपर करने में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

पुण्य तिथि पर मुलायम सिंह यादव को श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में प्रदीप यादव 'मुलायम' बुद्धि सागर गौतम, अजय यादव, मो. हारिश, मन्शाराम कन्नौजिया, अभिषेक अजय यादव, शनि मिश्रा, रहमान सिद्दीकी, अखिलेश अजय यादव, प्रभाकर वर्मा, सोमिल सिंह, फौजदार अजय यादव, प्रमोद अजय यादव, रामभवन अजय यादव, जमील अहमद, इरशाद अहमद, अजीत सिंह, राजेन्द्र चौरसिया, रामशंकर निराला, रन बहादुर यादव, राहुल सिंह, राम सिंह अजय यादव, आर.डी. निषाद, प्रशान्त यादव, हरीश गौतम, हनुमान प्रसाद चौधरी, नित्यराम चौधरी, अशोक यादव, वैजनाथ शर्मा, रजवन्मत यादव, दीपक आर्या, प्रिया श्रीवास्तव, विजय लक्ष्मी, सन्जू देवी, हिमांशु सिंह, संजय कुमार गौतम, मन्शाराम कन्नौजिया, बदरूल हसन, पंकज कुमार यादव, गुलाब सोनकर, सौरभ मिश्रा, जीत बहादुर सिंह, घनश्याम यादव, धीसेन निषाद, हरेश्याम विश्वकर्मा, डा. देवेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राघवेन्द्र सिंह, सीताराम चौहान, मुरलीधर पाण्डेय, जोखूलाल यादव, रमेश गौतम, शंकर यादव, अकबर अली, मो. युनूस आलम, मो. हुसैन, अनवर जमाल, मोनू यदुवंश, तूफानी यादव, श्याम सुन्दर यादव के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

यूजीसी के नये कानून की वापसी की मांग को लेकर मेधा का धरना 48 वें दिन भी जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मेधा पार्टी द्वारा शिक्षा व्यवस्था में सुधार, यूजीसी के नये कानून की वापसी सहित 7 सूत्रीय मांगों को लेकर गांधीकला भवन परिसर में बापू प्रतिमा के निकट चल रहा धरना शनिवार को 48 वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल आन्दोलनकारियों द्वारा पितृ पक्ष में अधिकारों के लिये संघर्ष के दौरान अपने प्राण गवाने वाले ज्ञात, अज्ञात लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही चिउरा, दही खिलाया गया, और पितरों को विदाई दी गई।

मेधा पार्टी के केन्द्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि कहा कि 48 दिन के लम्बे धरने के बावजूद अभी तक केन्द्र सरकार के स्तर पर कोई सकारात्मक पहल नहीं किया गया। जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती मेधा का धरना अनवरत जारी रहेगा। कहा कि नवरात्रि में शक्ति की उपासना के साथ प्रार्थना किया जायेगा कि देवी मां सरकार को सद्बुद्धि दे और यूजीसी के नये कानून की वापसी हो।

—शहीदों को किया नमन्: नवरात्रि में शक्ति की उपासना के साथ आन्दोलन

मेधा पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पं. सुनील भट्ट ने कहा कि सरकार धैर्य की परीक्षा न ले और छात्रों को जाति, धर्म के ढांचे में बाटने का षड़यंत्र बंद करे।

धरने के 48 वें दिन मुख्य रूप से बापू प्रतिमा के निकट धरना देने वालों में मुख्य रूप से उमेश पाण्डेय मुन्ना, विशाल सिंह, दीपक शुक्ला, , वृजेश द्विवेदी, अजय कुमार चौधरी, राहुल त्रिपाठी, रूद्र आदर्श पाण्डेय, रामरीका पाण्डेय, अंशू चौरसिया, विपुल सिंह, कृष्ण कुमार पाठक, गौरीशंकर त्रिपाठी, आदित्य नरायन त्रिपाठी, सुयश पाठक, दिव्यांश पाण्डेय, निखिल पाण्डेय, संजय शर्मा, प्रिन्स भट्ट, गिरीश चन्द्र गिरी, प्रतीक मिश्र के साथ ही मेधा के अनेक पदाधिकारी, सदस्य और विभिन्न संगठनों के लोग शामिल रहे।

भाकियू ने किया मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बर्खास्तगी की मांग: राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर जिला महासचिव रामकृष्ण चौधरी के नेतृत्व में भाकियू पदाधिकारियों, किसानों, मजदूरों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान पात्र मतदाताओं के नाम काटे जाने की शिकायतों, किसानों के बकाया गन्ना मूल्य के भुगतान, गन्ने का उचित मूल्य निर्धारित करने तथा किसानों की अन्य समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में संगठन ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करने के साथ ही किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग की।

ज्ञापन सौंपने के बाद भाकियू के प्रदेश सचिव दिवान चन्द पटेल, पूर्वान्चल अध्यक्ष अनूप कुमार चौधरी, पूर्वी जोन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शोभाराम ठाकुर, महेन्द्र कुमार चौधरी, मण्डल अध्यक्ष जयराम चौधरी, सत्य प्रकाश दूबे आदि ने कहा कि केन्द्र सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिये जिस प्रकार से दिल्ली को किले में बदल दिया, ट्रेन, बस, रास्ते रोककर आन्दोलन को कुचलने की कोशिश की गई यह आपातकाल है। चेतावनी दिया कि सरकार अपनी लोकतांत्रिक मर्यादा में रहे, सरकारें आती जाती रहती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त किया जाय।

राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में भाकियू ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता, शिकायतों की निष्पक्ष समीक्षा और अनियमितता की पुष्टि होने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि लोकतंत्र में राजनीतिक विचार अलग–अलग हो सकते हैं, लेकिन प्रत्येक पात्र नागरिक का मताधिकार सुरक्षित रहना चाहिए। ज्ञापन देने वालो में रामपाल सिंह, कन्हैया प्रसाद चौधरी, राम प्रताप, श्याम नरायन सिंह, नायब चौधरी, त्रिवेनी चौधरी, जगदम्बा प्रसाद, रामजीत चौधरी, पंचराम चौधरी, तिलकराम चौधरी, बंधु चौधरी, रामचरित्र, राधेश्याम, राकेश चौधरी, इमरान अहमद, गंगाराम चौधरी, तिलकराम, दिलीप कुमार के साथ ही बड़ी संख्या में भाकियू पदाधिकारी, किसान, मजदूर शामिल रहे।

लखनऊ के स्याह पहलुओं को कहानी में पिरो रहे हैं बस्ती के गौरव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नवाबी तहजीब और अदब के लिए मशहूर लखनऊ की चमक–दमक के पीछे छिपे अपराध और मानवीय रिश्तों के अनकहे पहलुओं को बस्ती के लेखक गौरव कुमार निगम अपनी कहानियों में उकेर रहे हैं। लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक मेले में 'कहानियां और करियर' विषय पर आयोजित विशेष साहित्यिक संवाद में उन्होंने लेखन की चुनौतियों, अपराध–कथा की संभावनाओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के दौर में लेखक की बदलती भूमिका पर विचार साझा किए। उनके नवीनतम अपराध–कथा उपन्यास 'स्कैंडल इन लखनऊ' के संदर्भ में लखनऊ के विविध सामाजिक और सांस्कृतिक पक्षों पर भी चर्चा हुई।

हर्रैया क्षेत्र से जुड़े लेखक और ब्रांड रणनीतिकार गौरव कुमार निगम ने संवाद के दौरान अपनी लेखकीय यात्रा के अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनका लेखन गहरे पठन–अनुभव का विस्तार है। उनकी कहानी 'पतंग और पुरियां' को उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की ओर से पुरस्कृत किया जा चुका है। इस सम्मान ने उन्हें लेखन के प्रति अधिक गंभीर होने की प्रेरणा दी। उन्होंने नए लेखकों के लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और लेखन के प्रति प्रतिबद्धता को जरूरी बताया। उनके अनुसार, किसी

भी क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने के लिए रुचि को जीवन की प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। उपन्यास 'स्कैंडल इन लखनऊ' पर चर्चा करते हुए निगम ने कहा कि लखनऊ की पहचान उसकी तहजीब, नफासत और सांस्कृतिक विरासत से है, लेकिन शहर का एक दूसरा पक्ष भी है। महत्वाकांक्षाएं, रिश्तों के तनाव, संघर्ष, अपराध और मानवीय कमजोरियां भी इसकी सामाजिक तस्वीर का हिस्सा हैं। इन्हीं विरोधाभासों के कारण लखनऊ अपराध–कथा लेखन के लिए समृद्ध परिवेश प्रस्तुत करता है। संवाद में अपराध–कथा को साहित्य की मुख्यधारा से अलग या कमतर मानने की धारणा पर भी चर्चा हुई। निगम ने अगाथा क्रिस्टी, सर आर्थर कॉनन डॉयल और देवकीनंदन खत्री जैसे रचनाकारों का उदाहरण देते हुए इस विधा की साहित्यिक परंपरा की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहानी की रचना–प्रक्रिया, लेखकीय पहचान बनाने और लेखन को करियर के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर भी विचार रखे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव के बीच लेखक की भूमिका, रचनात्मकता और कहानी व ब्रांड के बीच संबंध जैसे विषय भी संवाद का हिस्सा रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में राष्ट्रीय पुस्तक मेले के संस्थापक मनोज सिंह और लेखक राज वर्मा सहित अन्य लोगों ने गौरव कुमार निगम को पौधा भेंट किया। इस पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 अक्टूबर 2026 रविवार

सम्पादकीय

जीएसटी और राहत

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 57वीं बैठक में लिए गए फैसलों से कर प्रशासन के नजरिए में दो साफ बदलाव दिखाई देते हैंरू करदाताओं पर ज्यादा भरोसा और कर राजस्व को लेकर न्यूनतम चिंता। यह अब तक चल रही कर–व्यवस्था से हटकर एक बड़ा बदलाव है। अब तक की व्यवस्था में करदाताओं को नियमों एवं प्रक्रियाओं के जंजाल में उलझाकर रखा जाता था और कर वसूलने वाले अधिकारी इस जटिलता का फायदा उठाकर ज्यादा से ज्यादा पैसा वसूलने की कोशिश करते थे। आंकड़े बताते हैं कि कुल संग्रह पिछले दो सालों के औसत से बहुत ज्यादा अलग नहीं रहा है। नौ साल बाद, करदाता भी कर दाखिल करने की प्रणाली से परिचित हो गए हैं। भले ही वे इसमें पूरी तरह सहज न हों। पिछली बैठक में जीएसटी की दरों से जुड़ी ज्यादातर समस्याओं को भी दुरुस्त कर लिया गया था और इस कर प्रणाली की जटिलता का एक बड़ा सबब रहने वाली स्लैब की संख्या भी कम की गई थी। जीएसटी की प्रक्रियाओं एवं प्रशासन में बड़े बदलाव का वक्त आ गया था और परिषद ने इसे अंजाम दिया है। गुरुवार को किए गए सुधारों में जीएसटी से जुड़ी कागजी कार्रवाइयों की पूरी प्रक्रिया – यानी पंजीकरण एवं रिटर्न दाखिल करने से लेकर रिफंड और कानूनी विवादों तक – में आने वाली मुश्किलों को दूर करने पर ध्यान दिया गया है। इसका मकसद इन प्रक्रियाओं में इंसानी दखल को कम करना है। इसके लिए पंजीकरण को स्वचालित करना, छोटे व्यवसायों के लिए रिटर्न दाखिल करने की संख्या घटाना, कंप्यूटर–आधारित सत्यापन से रिफंड को प्रोसेस करना और जीएसटी अधिकारियों की शक्तियों को काफी कम करना शामिल है। असल में, करदाताओं पर इस बात का भरोसा करना चाहिए कि वे नियमों का पालन करेंगे और कार्रवाई तभी करनी चाहिए जब नियमों का पालन न करने का पक्का सबूत हो। 'जब तक बेगुनाह साबित न हो, तब तक दोषी मानने' वाला रवैया अपनाने के बजाय मुनासिब तरीका कुछ ऐसा ही होना चाहिए।

यूं तो सरलीकरण के सभी उपाय स्वागत–योग्य हैं, लेकिन कुछ खास उपायों का खास तौर पर जिक्र किया जाना चाहिए क्योंकि इनसे असंतोष की मुख्य वजहों से काफी राहत मिलेगी। अब तक, करदाताओं को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) तब तक नहीं मिलता था जब तक उनके आपूर्तिकर्ता अपने रिटर्न दाखिल नहीं कर देते थे। इसका मतलब यह था कि सामान लेने और उस पर कर चुकाने वाले हजारों असली व्यवसायों को आईटीसी नहीं मिला, जिससे जरूरी कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की कमी हो गई। जीएसटी परिषद ने एक समिति को ऐसा समाधान खोजने का काम सौंपा है, जिसे 1 अप्रैल तक लागू किया जा सके। जीएसटी अधिकारियों की गिरफ्तारी की शक्तियों को खत्म करना एक और ऐसा कदम है जिससे उत्पीड़न काफी कम होगा। साथ ही, खेपों की जांच, तलाशी और जब्ती से जुड़े नियमों को सख्त करने से भी राहत मिलेगी। केंद्र सरकार ने इस मौके का इस्तेमाल केंद्रीय जीएसटी में पंजीकृत कंपनियों के वास्ते 'फेसलेस असेसमेंट सिस्टम' शुरू करने के लिए भी किया है, जो आयकर में पहले से चल रहे लोकप्रिय 'फेसलेस सिस्टम' की तर्ज पर है। साल में सिर्फ एक बार दरों की समीक्षा करने और वित्तीय वर्ष की शुरुआत में ही दरों में बदलाव लागू करने के फैसले से उस बड़ी अनिश्चितता को खत्म किया जा सकेगा जो आमतौर पर परिषद की हर बैठक के वक्त पैदा होती थी। अपने 10वें साल में, जीएसटी आखिरकार वैसा ही दिखने लगा है जैसा इसे आगाज के वक्त होना चाहिए था।

जन प्रतिरोध

दुनिया भर की सत्ता चाहे कितनी भी शक्तिशाली रही हो, जनता के प्रतिरोध का अधिकार कभी नहीं छीन पाई है। जब–जब सत्ता ने जनता को अधिकारहीन जिंदा लाश की तरह देखने की कोशिश की है, तब–तब निर्जीवों में भी प्रतिरोध की शक्ति आ गई है। चुनाव आयोग की एसआइआर की प्रक्रिया शुरू से ही आरोपों के घेरे में रही। पिछले दिनों इस प्रक्रिया पर आयोग की गड़बड़ी के आरोप सामने आने के बाद मृत घोषित कर दी गई जनता सड़क पर चलने के लिए मजबूर हुई। दस अक्तूबर को जब देश की राजधानी दिल्ली छावनी बनी हुई है, प्रदर्शन गैरकानूनी घोषित है, तब जनता के उस इतिहास को याद करना जरूरी है जिसे हर सत्ता भूल जाती है। अक्तूबर के महीने को इतिहास के कुछ ऐतिहासिक तथ्यों के साथ जोड़ कर देखते हैं। पांच और छह अक्तूबर 1789 को पेरिस की महिलाओं ने वर्साय की ओर जुलूस निकाला। तब राजसत्ता को अहसास हुआ कि भूखी जनता के विरोध में कितनी शक्ति होती है।

निर्जीव समझ ली गई जनता के लहराते हाथ को फ्रांसीसी क्रांति के नाम से जाना जाता है। इसी तरह रूस में भूख और भ्रष्टाचार से परेशान जनता ने जो किया उसे 1917 की अक्तूबर क्रांति के रूप में जाना जाता है। भूखी जनता के इस संघर्ष ने पूरी दुनिया का राजनीतिक इतिहास बदल दिया। वहीं अक्तूबर 1949 में चीन की जनता के आंदोलन ने न सिर्फ वहां की पुरानी सत्ता बदली बल्कि दुनिया को एक नई शक्ति दी। इतिहास में अक्तूबर की ये तारीखें याद दिलाती हैं कि जनता को अपने विरोध प्रदर्शन के लिए न तो किसी करिश्माई नायक की जरूरत होती है और न ही बंदूकों और तोप की। जनता जब–जब भूख के मुकाबिल खड़ी हुई उसे क्रांति का नाम दिया गया। दुनिया भर की जनता की एक खासियत रही है।

जब तक उसे अपने पास लोकतांत्रिक शक्ति होने का आभास रहता है, वह तब तक शांतिपूर्वक अपना जीवनयापन करती है। लोकतांत्रिक शक्तियों के कारण उसे अपनी सत्ता, अदालतों, नौकरशाहों और पुलिस पर भरोसा रहता है। इन शक्तियों के छिन जाने का अहसास होते ही जनता अपना शक्ति प्रदर्शन करती है। जनता अपनी कौम को दुष्यंत कुमार के शब्दों में पुकारती है–हर लाश चलनी चाहिए। हमारे देश की जनता को भूख, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर सब्र होने लगा था। थोड़ा कम और थोड़ा ज्यादा हर सत्ता के साथ जनता का ऐसा ही रिश्ता रहता है। मौजूदा सत्ता पर इसके पहले भी कई इल्जाम लगे। लेकिन जनता अपने लाए हुए बदलाव को बहुत जल्दी बदलने के पक्ष में नहीं थी। इसलिए कई तरह की उलझनों के बावजूद वह चुप थी। इन सबके बीच आया मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण अभियान। शुरुआत बिहार से हुई। जो दुल्हन इस निर्देश के साथ अपनी ससुराल आई थी कि यहां डोली से आई हो तो अर्थी से ही निकलना, उस डोली वाले घर की ओर भागी। जहां जन्म लेते ही बेटियों के दहेज के लिए सोना, चांदी जमा करना शुरू कर दिया जाता है, वहां उनके लिए वैसे कागजात कौन बनवाता जिससे पता चले कि डोली से लेकर अर्थी तक के सफर की डगर में वह मतदाता भी है। जिस बिहार के पारंपरिक घरों में शादी के बाद लड़की का नाम भी बदल दिया जाता है वहां उससे नाम की त्रुटिमुक्त पहचान मांगी गई। मांग का सिंदूर सिर्फ उसके विवाहित होने की पहचान था, मतदाता का नहीं। बिहार के बाद बंगाल में हाहाकार मच गया। एक ही झटके में 27 लाख लोग शक्तिहीन बना दिए गए। इन सबके बीच सरकार और चुनाव आयोग से लेकर अदालतों की टिप्पणियां ऐसी रहीं, जिनसे जनता ने मान लिया कि उसका अस्तित्व कीड़े–मकोड़े जैसा है।

ज्ञानेश के इस्तीफे तक कांग्रेस का आन्दोलन

—राहिल नोरा चोपड़ा—

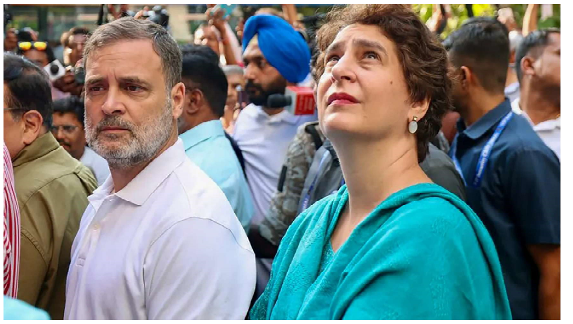

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर विपक्षी सांसदों के मार्च के दौरान पुलिस बैरिकेड पर सहजता से चढ़कर अपनी एथलैटिक क्षमता का प्रदर्शन किया और सभी का ध्यान आकघ्षत किया। अपनी ट्रेडमार्क सफेद कॉलर वाली टी–शर्ट पहने राहुल बैरिकेड पर खड़े हो गए और दिल्ली पुलिस के सामने तिरंगा लहराया। उनके पीछे खड़े सैंकड़ों कांग्रेस कार्यकर्त्ता 'ज्ञानेश कुमार को गिरफ्तार करो, प्रधानमंत्री इस्तीफा दो' के नारे लगा रहे थे।

इस बीच, कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) में कथित अनियमितताओं को लेकर इस्तीफा नहीं देते, तब तक यह आंदोलन समाप्त नहीं होगा। गांधी ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन सड़कों पर उतरना, गिरफ्तारियां देना और कानूनी मुकद्दमों का सामना करना जारी रखेंगे।

कांग्रेस–सपा में सीट–बंटवारे को लेकर घमासान रू 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले, कांग्रेस समाजवादी पार्टी पर सीटों के बड़े हिस्से के लिए अत्यधिक दबाव बनाने के उद्देश्य से छोटे विपक्षी दलों को अपने साथ जोडने की तैयारी में जुट गई है। अपनी जनता पार्टी के स्वामी प्रसाद मौर्य, अन्य पिछड़ा वर्ग ओ.बी.सी. चौहान समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टी के प्रमुख संजय चौहान और अपना दल (कैमरावादी) के नेता पंकज निरंजन ने राहुल गांधी से मुलाकात की थी, जिससे उनके जल्द ही कांग्रेस के साथ हाथ मिलाने की तीव्र अटकलों को हवा मिली है। ये बैठकें ऐसे समय में हुई हैं, जब उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने सपा के साथ सीट–बंटवारे में 'समान सम्मान और समान हिस्सेदारी' की मांग की थी। कांग्रेस के लिए, जिसके पास केवल 2 विधायक हैं लेकिन 2024 में उसने 6 लोकसभा सीटें जीती थीं, यह बातचीत उस राज्य में खुद को फिर से मजबूत करने के लिए पर्याप्त स्थान हासिल करने के बारे में भी है, जहां कभी उसका वर्चस्व था।

सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश यादव कांग्रेस को 60 से ज्यादा सीटें देने के पक्ष में नहीं थे लेकिन कांग्रेस 100 से ज्यादा सीटों की मांग कर रही है। अब अखिलेश यादव के सामने कांग्रेस के साथ सीट–बंटवारे पर सहमति बनाने और एक न्यूनतम सांझा कार्यक्रम पर सहमत होने की कड़ी चुनौती है। जहां तक सीट–बंटवारे का सवाल है, अंतिम फैसला अखिलेश यादव और राहुल गांधी के बीच सीधी बातचीत के जरिए होगा। यद्यपि सीटों की संख्या को लेकर कुछ मोल–भाव होना तय है, फिर भी दोनों दलों के नेता इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि परस्पर स्वीकार्य समाधान निकल आएगा।

योगी का '80 बनाम20' – उत्तर प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मियां काफी तेज हैं क्योंकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले अपने विवादास्पद '80 बनाम 20' के मुद्दे को फिर से उठा दिया है। उन्होंने 10 राज्यसभा सीटों के लिए समाजवादी पार्टी के 2 उम्मीदवारों के मुकाबले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा 8 उम्मीदवार उतारे जाने का हवाला देते हुए इसे इस बात का सबूत बताया कि 80 प्रतिशत मतदाता सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन करते हैं, जिससे विपक्ष के लिए केवल 20 प्रतिशत ही बचते हैं। जबकि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री की टिप्पणी का जवाब दिया और फिर एक्स पर लिखा, ''सच तो यह है कि 2024 के चुनाव में हार के कारण संतुलन बिगड़ गया है, इसीलिए ऐसे असंतुलित बयान आ रहे हैं। 5 सैकेंड के कबूलनामे में पी.डी.ए. को धमकाने से भाजपा न केवल 5 दशकों या 5 सदियों तक, बल्कि अपने 5 जन्मों तक भी सिर उठाकर आंखों में आंखें डालकर देखने की स्थिति में नहीं रहेगी।''

सपा प्रमुख ने जून 2023 में पहली बार संक्षिप्त नाम पी.डी.ए. (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का इस्तेमाल किया था। इस सूत्र को भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. के खिलाफ सपा के सामाजिक गठबंधन के रूप में रेखांकित किया गया था, जिसमें अखिलेश बार–बार यह दावा करते रहे हैं कि 'पी.डी.ए. ही एन.डी.ए. को हराएगा।' इस बीच, अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अयोध्या से आगामी विधानसभा चुनाव लडने की चुनौती दी और यह भी कहा कि वह जल्द ही पार्टी नेताओं के साथ दर्शन के लिए राम मंदिर जाएंगे। अखिलेश सपा नेता और पार्टी के अयोध्या उम्मीदवार तेज नारायण पांडे उर्फ पवन पांडे द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

शिवसेना (यू.बी.टी.) द्वारा समर्थन व सवाल भी उठाया रू शिवसेना (यू.बी.टी.) ने आम आदमी पार्टी (आप) और द्रविड़ मुनेत्र कडगम (द्रमुक) से आग्रह किया कि वे कांग्रेस के साथ अपने मतभेदों को दरकिनार करें और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के अभियान में शामिल हों। हालांकि, द्रमुक ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर राहुल गांधी के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक के विरोध का समर्थन किया, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठाया कि 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) के तहत तमिलनाडु में हटाए गए नामों पर कांग्रेस नेता चुप क्यों हैं।

द्रमुक नेता टी.के.एस. एलंगोवन ने बुधवार को दिल्ली में एस.आई.आर.–सी.ई.सी. मुद्दे पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के विरोध प्रदर्शन का बचाव करते हुए कहा कि सरकार उनका विरोध करना पसंद नहीं करती क्योंकि वह देश को कानून के अनुसार चलाने की बजाय अपनी इच्छा के अनुसार चलाना चाहती है। इस प्रत्यक्ष विरोधाभास को आंशिक रूप से तमिलनाडु के अप्रैल चुनाव के बाद के राजनीतिक पुनर्गठन द्वारा समझा जा सकता है। द्रमुक ने इसके बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक को छोड़ दिया। टी.वी.के. अब कांग्रेस और अन्य छोटे दलों के समर्थन से शासन करती है।

मतदाता बने रहने की चुनौती

—सौरभ वार्ष्णेय—

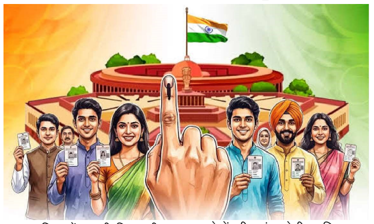

आज देश के सामने सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि कौन–सा राजनीतिक दल किसके पक्ष में खड़ा है, बल्कि सवाल यह है कि मतदाता के मन में उठ रहे संदेहों का समाधान कौन करेगा? लोकतंत्र की असली ताकत सत्ता के प्रचार में नहीं, बल्कि जनता के विश्वास में होती है। जब मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर तरह–तरह के सवाल उठने लगें और उनके जवाब स्पष्ट तथा समय पर जनता के सामने न आएं, तो भ्रम की स्थिति पैदा होना स्वाभाविक है। यह स्थिति किसी एक दल या एक विचारधारा तक सीमित नहीं है। आज सत्ता पक्ष के पास अपनी बात जनता तक पहुंचाने के लिए तमाम साधन हैं। सरकार अपनी योजनाओं, उपलब्धियों और नीतियों का प्रचार पूरे जोर–शोर से करती है। यह उसका अधिकार भी है। लेकिन लोकतंत्र में केवल सरकार की बात जनता तक पहुंचना पर्याप्त नहीं है। सरकार के निर्णयों पर सवाल उठाने वाले नागरिकों, राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों को भी अपनी बात रखने का समान अवसर मिलना चाहिए और यही लोकतंत्र की खूबसूरती है।

निर्वाचन आयोग स्वयं मतदाता सेवाओं के लिए नाम खोजने, मतदाता सूची में संशोधन, शिकायत दर्ज करने और अपील जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। वर्तमान में आयोग के पोर्टल पर एसआईआर 2026 से संबंधित सेवाएं भी उपलब्ध हैं। आयोग का घोषित उद्देश्य यह है कि कोई पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति उसमें शामिल न हो। फिर सवाल यह है कि यदि व्यवस्था इतनी स्पष्ट है तो मतदाता के बीच भ्रम की गुंजाइश क्यों पैदा हो रही है? यही वह प्रश्न है जिसका जवाब केवल राजनीतिक बयानबाजी से नहीं दिया जा सकता। आज चुनाव आयोग को लेकर अलग–अलग राजनीतिक दलों और समूहों की ओर से अनेक दावे किए जा रहे हैं। इनमें से कौन–सा दावा तथ्यात्मक है और कौन–सा राजनीतिक आरोपकृइसका फैसला जनता को प्रमाण और आधिकारिक जानकारी के आधार पर करना चाहिए। लेकिन यहां सरकार और निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। यदि किसी चुनावी प्रक्रिया को लेकर जनता के मन में संदेह है तो उसका सबसे अच्छा उत्तर यह नहीं हो सकता कि सवाल उठाने वालों को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाए। बेहतर उत्तर है। सभी आंकड़े सार्वजनिक कीजिए प्रक्रिया समझाइए, आपत्तियों का जवाब दीजिए और जहां गलती हुई है, उसे स्वीकार कर सुधार कीजिए।निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है और चुनाव प्रक्रिया में उसकी विश्वसनीयता लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयोग स्वयं मतदाता सूची, पंजीकरण, संशोधन और शिकायतों के लिए आधिकारिक माध्यम उपलब्ध कराता है। इसलिए जनता के सवालों का जवाब भी उतनी ही स्पष्टता से आधिकारिक स्तर पर सामने आना चाहिए।

आखिर आंदोलन से डर क्यों? दूसरा बड़ा सवाल विरोध और आंदोलन को लेकर है। भारत का संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और बिना हथियार सभा करने का अधिकार देता है। साथ ही संविधान यह भी स्पष्ट करता है कि इन अधिकारों पर कानून के अनुसार उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इसलिए कानून–व्यवस्था बनाए रखना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। लेकिन कानून–व्यवस्था और लोकतांत्रिक असहमति के बीच अंतर करना भी उतना ही जरूरी है। यदि कोई राजनीतिक दल या जनप्रतिनिधि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना चाहता है, तो प्रशासन की भूमिका उसे पूरी तरह रोकने की बजाय ऐसी व्यवस्था बनाने की होनी चाहिए जिससे प्रदर्शन भी हो सके और आम जनता को असुविधा भी न हो।स्थान निर्धारित किया जा सकता है। समय निर्धारित किया जा सकता है। यातायात की व्यवस्था की जा सकती है। पुलिस बल तैनात किया जा सकता है। सुरक्षा के लिए आवश्यक शर्तें लगाई जा सकती हैं।लेकिन सवाल यह है कि क्या हर असहमति को कानून–व्यवस्था की समस्या मान लेना लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित है? यह प्रश्न आज केवल विपक्ष का नहीं है। कल यही परिस्थिति किसी दूसरे राजनीतिक दल, किसी सामाजिक संगठन या आम नागरिक के सामने भी आ सकती है। सरकार अपनी आलोचना सुनने की क्षमता भी दिखाए? लोकतंत्र में सरकार केवल इसलिए सरकार नहीं होती कि उसके पास बहुमत है। सरकार की वास्तविक लोकतांत्रिक शक्ति इस बात में भी दिखाई देती है कि वह आलोचना को किस प्रकार स्वीकार करती है। यदि कोई नागरिक सरकार से सवाल पूछता है, तो वह लोकतंत्र के खिलाफ नहीं होता। यदि कोई विपक्षी दल चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाता है, तो उसके आरोपों की जांच होनी चाहिए।

यदि आरोप गलत हैं तो तथ्य सामने रखकर उन्हें खारिज किया जाना चाहिए। यदि कोई शिकायत सही है तो उसका समाधान होना चाहिए। बल्कि कई बार सवाल दबाने की कोशिश ही उस सवाल को और बड़ा बना देती है।आज सोशल मीडिया के दौर में आधी–अधूरी जानकारी कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। ऐसे में आधिकारिक संस्थाओं की चुप्पी या अस्पष्टता अफवाहों के लिए जगह बना सकती है।

निर्वाचन आयोग के पास इसका सबसे प्रभावी हथियार है तथ्य, दस्तावेज और पारदर्शी संवाद। मतदाता को राजनीति का नहीं, सत्य का भरोसा चाहिए। भारत का मतदाता राजनीतिक रूप से बेहद जागरूक है। वह सरकारें बनाता है और बदलता है। वह नेताओं के भाषण सुनता है, लेकिन अपने विवेक से मतदान करता है। इसलिए मतदाता को किसी दल के पक्ष या विपक्ष में खड़ा करने की बजाय उसे पूरी और सही जानकारी देना जरूरी है। मतदाता सूची में नाम है या नहीं ? नाम हटाया गया तो क्यों ?आपत्ति कैसे दर्ज होगी? सुधार कैसे होगा ? एसआईआर की प्रक्रिया क्या है? किस दस्तावेज की आवश्यकता है? किस अधिकारी के सामने अपील होगी? समय सीमा क्या है? इन सभी सवालों के जवाब सरल भाषा में घर–घर पहुंचने चाहिए। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट और मतदाता सेवा पोर्टल पर नाम खोजने, आवेदन की स्थिति देखने, शिकायत दर्ज करने तथा अपील जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। लेकिन केवल ऑनलाइन सुविधा पर्याप्त नहीं है। देश के करोड़ों नागरिकों तक सूचना पहुंचाने के लिए राजनीतिक दलों, प्रशासन, मीडिया और निर्वाचन तंत्र को मिलकर काम करना होगा।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राजनीतिक विरोध को व्यक्तिगत दुश्मनी में बदलने से लोकतंत्र कमजोर होता है। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि विपक्ष का काम सवाल पूछना है और विपक्ष को यह समझना होगा कि हर आरोप को तथ्य के आधार पर ही मजबूत बनाया जा सकता है। सरकार को सवालों से घबराने की जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग को आलोचना से बचने की बजाय अपने काम की पारदर्शिता बढ़ाने की जरूरत है।

महँगाई की आग और रेपो रेट का ब्रेक

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

महँगाई किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए केवल बढ़ती कीमतों का सवाल नहीं है, बल्कि यह आम नागरिक की क्रयशक्ति, बचत, निवेश और जीवन–स्तर को सीधे प्रभावित करती है। जब वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो समान आय में परिवार पहले की तुलना में कम वस्तुएँ खरीद पाते हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय रिजर्व बैंक के सामने सबसे महत्वपूर्ण चुनौती मूल्य स्थिरता और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की होती है। इसी उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक समय–समय पर रेपो रेट में बदलाव करता है।

रेपो रेट वह दर है जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक धन उपलब्ध कराता है। जब आरबीआई रेपो रेट बढ़ाता है, तो बैंकों के लिए केंद्रीय बैंक से धन लेना महँगा हो जाता है। इसका असर धीरे–धीरे बैंक ऋण की ब्याज दरों पर पड़ता है और घरों तथा व्यवसायों के लिए कर्ज लेना महँगा हो सकता है। यही प्रक्रिया अर्थव्यवस्था में मांग को नियंत्रित करने और मांग–जनित महँगाई को कम करने में मदद करती है।

रेपो रेट बढ़ने का सबसे सीधा प्रभाव ऋण की लागत पर पड़ता है। यदि गृह ऋण, वाहन ऋण या व्यक्तिगत ऋण महँगे होते हैं, तो उपभोक्ता नए कर्ज लेने या बड़ी खरीदारी करने से बच सकते हैं। मौजूदा ऋण लेने वालों की ईएमआई भी बढ़ सकती है, जिससे उनकी मासिक आय का बड़ा हिस्सा ऋण चुकाने में चला जाता है। परिणामस्वरूप उनके पास गैर–जरूरी वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च करने के लिए कम धन बचता है। उपभोग में यह कमी कुल मांग को नियंत्रित करती है और मांग के अत्यधिक दबाव से पैदा होने वाली महँगाई को कम करने में मदद करती है।

इसका प्रभाव केवल परिवारों तक सीमित नहीं रहता। कंपनियाँ भी बैंक ऋण के माध्यम से नए कारखाने, मशीनरी, भवन और कारोबारी परियोजनाएँ शुरू करती हैं। ब्याज दर बढ़ने पर परियोजनाओं की वित्तीय लागत बढ़ जाती है। कई कंपनियाँ ऐसे निवेश को कुछ समय के लिए टाल सकती हैं, जिनसे अपेक्षित लाभ ब्याज लागत की तुलना में कम हो। इससे अत्यधिक आर्थिक गतिविधि पर कुछ नियंत्रण आता है और अर्थव्यवस्था में मांग का दबाव कम हो सकता है। रेपो रेट का एक महत्वपूर्ण प्रभाव बैंकिंग प्रणाली में ऋण वृद्धि पर भी पड़ता है। महँगे ऋण के कारण बैंक ऋण की मांग घट सकती है। यदि अर्थव्यवस्था में कर्ज बहुत तेजी से बढ़ रहा हो और उसके कारण उपभोग तथा निवेश असामान्य रूप से बढ़ रहे हों, तो मौद्रिक सख्ती उस गति को संतुलित करने का काम करती है।

महँगाई केवल वर्तमान कीमतों का विषय नहीं है, भविष्य में कीमतें कितनी बढ़ेंगी, इसकी लोगों की धारणा भी महत्वपूर्ण होती है। जब आरबीआई महँगाई के दबाव के बीच रेपो रेट बढ़ाता है, तो वह बाजार को यह संकेत देता है कि केंद्रीय बैंक मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता दे रहा है। इससे महँगाई की अपेक्षाओं को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। यदि व्यवसायों और उपभोक्ताओं को विश्वास हो कि केंद्रीय बैंक कीमतों को अनियंत्रित नहीं होने देगा, तो वे भविष्य की कीमतों और मजदूरी को लेकर अत्यधिक मुद्रास्फीतिकारी निर्णय लेने से बच सकते हैं।

रेपो रेट में बढ़ोतरी का एक अन्य संभावित प्रभाव रुपये की विनिमय दर पर पड़ सकता है। अपेक्षाकृत ऊँची घरेलू ब्याज दरें वित्तीय परिसंपत्तियों को अधिक आकर्षक बना सकती हैं और पूँजी प्रवाह को समर्थन मिल सकता है। इससे रुपये पर अत्यधिक अवमूल्यन का दबाव कम हो सकता है। भारत कच्चे तेल सहित कई महत्वपूर्ण वस्तुओं का आयात करता है। रुपये की कमजोरी से आयात महँगा होता है और इससे आयातित महँगाई बढ़ सकती है। इसलिए विनिमय दर में स्थिरता भी महँगाई नियंत्रण में अप्रत्यक्ष भूमिका निभा सकती है।

हालाँकि, रेपो रेट बढ़ाना कोई ऐसा उपाय नहीं है जिसका अर्थव्यवस्था पर केवल सकारात्मक प्रभाव पड़े। इसका सबसे बड़ा जोखिम आर्थिक विकास की गति पर पड़ सकता है। ऊँची ब्याज दरों से परिवारों का खर्च घट सकता है और कंपनियों का निवेश धीमा हो सकता है। इसका प्रभाव आवास, ऑटोमोबाइल, निर्माण और अन्य ब्याज–संवेदनशील क्षेत्रों पर अपेक्षाकृत अधिक पड़ सकता है। छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए यह चुनौती और गंभीर हो सकती है, क्योंकि वे अक्सर बैंक ऋण पर अधिक निर्भर होते हैं।

दूसरी ओर, बचतकर्ताओं को बढ़ी हुई ब्याज दरों से कुछ लाभ मिल सकता है। बैंकों द्वारा जमा पर अधिक ब्याज दिए जाने की स्थिति में सावधि जमा और अन्य बचत साधनों का आकर्षण बढ़ सकता है। इससे उपभोग की बजाय बचत को प्रोत्साहन मिलता है, जो अत्यधिक मांग को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है। लेकिन भारत में महँगाई का बड़ा हिस्सा हमेशा मांग से पैदा नहीं होता। खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि, खराब मानसून, आपूर्ति बाधाएँ, वैश्विक जिंस कीमतों में उछाल, कच्चे तेल की कीमत और भू–राजनीतिक संकट जैसी परिस्थितियाँ आपूर्ति–पक्ष की महँगाई पैदा कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में केवल रेपो रेट बढ़ाने से समस्या का मूल समाधान नहीं होता। उदाहरण के लिए, यदि प्याज या टमाटर की कीमत आपूर्ति कम होने के कारण बढ़ रही है, तो ब्याज दर बढ़ाने से इनकी आपूर्ति तत्काल नहीं बढ़ेगी।

इसलिए भारत में महँगाई नियंत्रण की रणनीति बहुआयामी होनी चाहिए। आरबीआई को महँगाई और आर्थिक विकास के बदलते संकेतकों के आधार पर रेपो रेट में सावधानीपूर्वक बदलाव करना चाहिए। सरकार को खाद्य भंडारण, कृषि आपूर्ति श्रृंखला, परिवहन, आयात–निर्यात प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुधारने पर समान रूप से ध्यान देना होगा। ऊर्जा सुरक्षा के लिए कच्चे तेल के स्रोतों में विविधता लाना भी महत्वपूर्ण है। महँगाई और विकास के बीच संतुलन ही मौद्रिक नीति की असली परीक्षा है। बहुत कम ब्याज दरें लंबे समय तक बनी रहें तो अत्यधिक मांग और संपत्ति मूल्यों में असंतुलन पैदा हो सकता है, जबकि अत्यधिक ऊँची दरें आर्थिक गतिविधियों और रोजगार पर दबाव डाल सकती हैं। इसलिए रेपो रेट को महँगाई के खिलाफ एकमात्र हथियार के बजाय व्यापक आर्थिक नीति के एक महत्वपूर्ण औजार के रूप में देखना चाहिए।

अंततः रेपो रेट में बढ़ोतरी मांग–जनित महँगाई को नियंत्रित करने, ऋण वृद्धि की गति कम करने और महँगाई की अपेक्षाओं को स्थिर करने में प्रभावी हो सकती है। लेकिन भारत जैसी विशाल और विविध अर्थव्यवस्था में मूल्य स्थिरता केवल ब्याज दरों से हासिल नहीं की जा सकती। मौद्रिक नीति के साथ प्रभावी राजकोषीय नीति, बेहतर आपूर्ति प्रबंधन, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा विविधीकरण और स्पष्ट नीतिगत संवाद आवश्यक हैं। महँगाई पर लगाम ऐसी होनी चाहिए कि कीमतों का दबाव भी कम हो और विकास का पहिया भी अनावश्यक रूप से धीमा न पड़े।

सीएम योगी बोले– अखिलेश यादव अयोध्या से लड़ें चुनाव मैं भी लड़ता हूं, पता चल जाएगा किसमें कितना है दम

संवाददाता–बलरामपुर। बलरामपुर में उतरौला के कालूबनकट में शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने 803 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक भी प्रदान किए। कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास से जुड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। सीएम ने लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक सौंपकर उन्हें योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही। सीएम योगी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव को अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव अयोध्या से चुनाव लड़ें, हम भी लड़ेंगे। आमने–सामने मुकाबला हो जाए और तय हो जाए कि किसमें कितना दम है। तंज कसते हुए कहा कि माफिया के सामने नाक रगड़ने वाले उनसे क्या लड़ेंगे। मुख्यमंत्री के इस बयान से समारोह में सियासी माहौल गरमा गया।

सीएम ने अयोध्या के प्रति अपनी आस्था जाहिर करते हुए कहा कि वह बार–बार अयोध्या जाते हैं। अयोध्या उनके लिए पावन धाम है। वहां विकास कार्यों में किसी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। अयोध्या केवल एक शहर नहीं, बल्कि आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। इसके विकास को लेकर सरकार गंभीर है और लगातार काम कराया जा रहा है। सपा पर निशाना साधते हुए सीएम ने कहा कि विपक्षी नेता विकास के मुद्दे पर घिरने के बाद चुनौती देने की बातें कर रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव को सीधे मुकाबले के लिए ललकारते हुए कहा कि आमने–सामने की लड़ाई से साफ हो जाएगा कि किसमें कितना दम है।

सीएम ने अयोध्या में धार्मिक स्थलों के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन लोगों ने पहले जय श्रीराम के उद्घोष पर रोक लगाई थी, वे आज अयोध्या के विकास पर सवाल उठा रहे हैं। अयोध्या, काशी और मां विंध्यवासिनी धाम में हो रहे विकास कार्यों का विरोध करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के विजन का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या उनके लिए आस्था का विषय है और वहां विकास कार्यों में कोई ढिलाई नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बलरामपुर की विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक विरासत के संरक्षण के साथ सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर भी काम कर रही है। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है। बलरामपुर में चल रही विकास परियोजनाएं इसका प्रमाण हैं। पिछले 10 वर्षों में जिले में 10 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए धनराशि भेजी गई है। इससे जिले में विकास की नई संभावनाएं बढ़ी हैं।

सीएम ने कहा कि विधायक रामप्रताप वर्मा लगातार उतरौला के विकास के लिए प्रयास कर रहे हैं। क्षेत्र में सड़कों, बिजली और पानी की व्यवस्था के साथ बाढ़ की समस्या का समाधान करना भी प्राथमिकता है। रोजगार के अवसर बढ़ाने और जिले के विकास को गति देने पर भी जोर दिया जा रहा है। जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना सहित विभिन्न विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाएं पूरी हो रही हैं। विकास और विरासत से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों को विकास और विरासत के लिए किए जा रहे कार्य अच्छे नहीं लगते।

सीएम ने कहा कि आज कुछ लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध कर रहे हैं। विरोध की भी अपनी एक सीमा होती है। लोकतांत्रिक विरोध के नाम पर देश को पीछे धकेलने और अराजकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन डबल इंजन की सरकार इसे स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के मान–सम्मान के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। जिस तरह देश में नक्सलवाद और आतंकवाद पर कार्रवाई की गई है, उसी तरह भारत की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने और अराजकता फैलाने का प्रयास करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी। सीएम ने कहा कि चुनाव हारने के बाद कुछ लोग प्रशासन को धमकाते हैं, न्यायालय पर टिप्पणी करते हैं और नौजवानों को भड़काने का काम करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके शासनकाल में कोयला घोटाले, कॉमनवेल्थ घोटाले और खाद्यान्न घोटाले सहित भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आए थे।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों की विकास में रुचि नहीं थी, वे वर्ष 2017 से पहले विकास के पैसे को कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल बनाने पर खर्च करते थे और दंगाइयों को प्रेरित व प्रोत्साहित किया जाता था। आज प्रदेश में कोई दंगा नहीं कर सकता। बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। ऐसे लोगों के लिए जेल या जहन्नुम का रास्ता है, तीसरा कोई रास्ता नहीं है।

सीएम ने आगे कहा कि आज एक बार फिर बलरामपुर जिले को 803 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लाभ मिल रहा है। विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं होने दी जाएगी। क्षेत्र में विकास की हर योजना और आवश्यकता को पूरा किया जाएगा। किसानों, व्यापारियों और बेटियों की जरूरतों को पूरा करने का काम भाजपा की डबल इंजन सरकार करेगी। बलरामपुर को विकसित जनपद के रूप में स्थापित करते हुए भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए सभी का आशीर्वाद और सहयोग जरूरी है।

जमीन विवाद में अधेड़ की गला रेतकर हत्या, सौतन पर प्राणघातक हमला

संवाददाता–कुशीनगर। जिले में आशा कार्यकर्ता ने बच्चों के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। शनिवार सुबह खेत में पति को घेरकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। बचाने पहुंची दूसरी पत्नी पर भी जानलेवा हमला किया। वारदात के बाद आरोपी पहली पत्नी बच्चों समेत फरार हो गई। घटना जिला मुख्यालय से करीब 10 किमी दूर पडरौना थाना क्षेत्र की है। जिसकी हत्या हुई, उसकी पहचान ओमप्रकाश राजभर (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने घायल दूसरी पत्नी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे गोरखपुर रेफर कर दिया गया।

मृतक की बेटी ने बताया कि पिता ने कुछ दिन पहले पुश्तैनी जमीन का कुछ हिस्सा बेचा था। पहली पत्नी उर्मिला उसमें हिस्सेदारी मांग रही थी, लेकिन पिता पैसे देने को तैयार नहीं थे। इसी बात को लेकर उसने पिता की हत्या की। ओमप्रकाश ने पहली पत्नी उर्मिला को तलाक दिए बिना 18 साल पहले नित्या से दूसरी शादी की थी। इसके बाद पहली पत्नी ने घर का बंटवारा करा लिया और अपने बच्चों के साथ एक हिस्से में रहने लगी।

ओमप्रकाश राजभर नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के जंगल जगदीशपुर गांव के रहने वाले थे। वह केले की खेती करते थे। उनके पास 5 बीघे से ज्यादा जमीन थी। पहली पत्नी उर्मिला से तीन बेटियां और एक बेटा अजीत है। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि काजल और सीमा अभी पढ़ाई कर रही हैं। दूसरी पत्नी नित्या से एक बेटा और एक बेटी है। उर्मिला ने ओमप्रकाश के खिलाफ कोर्ट में गुजारा भत्ता देने के लिए मुकदमा भी दाखिल किया था।

सीओ राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद मामला शांत हो गया। ओमप्रकाश घर से करीब 300 मीटर दूर खेत में चले गए। वहां पहली पत्नी उर्मिला मेड़ बांध रही थी। दोनों के बीच फिर कहासुनी हुई। इसके बाद उर्मिला और उसके बच्चों ने ओमप्रकाश के साथ मारपीट की। उनके सिर और पेट पर धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। शोर सुनकर दूसरी पत्नी नित्या मौके पर पहुंचीं तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। उन्हें अधमरा छोड़कर आरोपी फरार हो गए।

सीओ ने बताया कि गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो नित्या बेहोश मिलीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया और ओमप्रकाश के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मां की तेरहवीं के बाद ज्वेलरी के लिए बेटों में खूनी संघर्ष, एक की गई जान

संवाददाता–देवरिया। जिले के रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात रिश्ते को शर्मसार करने वाली घटना हुई। मां के ब्रह्मभोज बीतने के बाद बरखी के दिन आभूषण बंटवारे को लेकर एण्क युवक की भाई व भतीजों ने पीट कर हत्या कर दी। हत्या के बाद सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के बरवा मीरछापर गांव निवासी मोतिया देवी (90) की मौत हो गई थी। शुक्रवार की शाम घर वालों ने ब्रह्म भोज बीतने के बाद बरखी का आयोजन किया था। विधि विधान से पूजा पाठ और रिश्तेदारों को भोजन कराने के बाद मां के आभूषण के लिए सगे भाइयों ने आपस में नोंक झोंक करना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि छोटे बेटे केश्वर कुशवाहा (45) को बड़े भाई और भतीजों ने कहासुनी के बाद पिटाई शुरू कर दी। आसपास के लोगों ने बीच बचाव करने का प्रयास किया तो आरोपी केश्वर को घर के अंदर लेकर चले गए। आरोप है कि थोड़ी देर बाद जब वह बाहर निकले तो फिर से भाई भतीजों ने उनकी पिटाई कर दी। दो बार हुई जोरदार पिटाई से केश्वर घायल होकर गिर पड़े और तड़पने लगा। परिजन उन्हें लेकर निजी चिकित्सक के यहां गए। हालत गंभीर देख चिकित्सक ने मेडिकल कॉलेज ले जाने को कह दिया। परिजन और रिश्तेदार उसे लेकर कुशीनगर के कसया अस्पताल गए, जहां उनकी मौत हो गई। परिजन रात में उसे लेकर वापस आए और शव दरवाजे पर रखकर पुलिस को सूचना दे दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के बरवा मीरछापर गांव निवासी केश्वर कुशवाहा वाहन चालक थे। घर पर भाइयों से किसी न किसी बात को लेकर आए दिन नोंक झोंक और कहासुनी के चलते वह बाहर कमाने चले गए। मां मोतिया देवी की मौत की जानकारी होने के बाद वह घर वापस आए। ब्रह्म भोज और अन्य कर्मकांड बीतने के बाद वह बाहर जाने वाले थे। लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। सगे भाई और भतीजों ने मां के आभूषण के लिए पीट–पीट कर उसकी हत्या कर दी। मृतक केश्वर कुशवाहा अपने परिवार का इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनके मौत की जानकारी मिलती ही पत्नी प्रमिला देवी, बेटी गुड़िया और बेटे आलोक व अमित दहाड़े मार कर रोने लगे। उसके मां की 13वीं पर जुटे रिश्तेदार और आसपास के लोग भी चारों का रोना देखा सिसक पड़े। उनका रोना देखा सांत्वना दे रहे लोगों की आंखें भी नम हो गईं। मां के आभूषणों के बंटवारे को लेकर हुए विवाद के बाद उनके बड़े भाई और भतीजों पर केश्वर कुशवाहा की पिटाई कर हत्या करने का आरोप है।

मुलायम सिंह यादव को दी श्रद्धांजलि, 2027 में सपा सरकार बनाने का आह्वान

संवाददाता–देवरिया। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर शनिवार को जिले में कई जगह श्रद्धांजलि कार्यक्रम हुए। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। इस दौरान समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। बांस देवरिया स्थित सपा जिला कार्यालय के मुलायम सिंह यादव सभागार में दोपहर 12 से 3 बजे तक श्रद्धांजलि कार्यक्रम और विचार गोष्ठी हुई। इसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव मंजूर हसन ने किया। व्यास यादव ने कहा कि नेताजी ने गरीबों, किसानों, मजदूरों, नौजवानों, पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। व्यास यादव ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सम्मान, अधिकार और न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करना ही नेताजी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में सलेमपुर के सांसद रमाशंकर राजभर विद्यार्थी ने भी मुलायम सिंह यादव के व्यक्तित्व और उनके कार्यों पर विचार रखे। उधर, बरहज विधानसभा क्षेत्र स्थित सपा कैंप कार्यालय में भी मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि मनाई गई। यहां सपा नेता विजय रावत ने कार्यकर्ताओं से 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाजवाद के विचारों पर चलने वाली सरकार बनाना ही नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिला कार्यालय के कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद कनकलता सिंह, पूर्व विधायक स्वामीनाथ भाई सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं, बरहज के कार्यक्रम में अमित प्रधान, अजीत पटेल, सुरेश राजभर, राहुल सिंह, संजय कुमार, अनीश शर्मा, विपिन सिंह, विकास यादव, मनोज कुमार, आदित्य यादव और रोहित मदेशिया सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

एसआईआर में छूटे मतदाताओं के नाम जोड़ेंगे को चलेगा विशेष अभियान

संवाददाता–महराजगंज। मतदाता सूची में पंजीकरण से छूटे लोगों, पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं और किसी कारण से विलोपित हुए पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने के लिए जिले में एक माह का विशेष अभियान चलाया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग व मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा के निर्देश पर डीएम गौरव सिंह सोगरवाल ने निर्देश जारी किया है। इस विशेष अभियान में बीएलओ घर–घर जाकर ऐसे लोगों का सत्यापन करेंगे। जिला निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक बीएलओ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से पहले प्रकाशित सात जनवरी 2025 की निर्वाचक नामावली का 10 अप्रैल 2026 को अंतिम रूप से प्रकाशित वर्तमान मतदाता सूची से मिलान करेंगे। पुरानी सूची में दर्ज लेकिन वर्तमान सूची में शामिल नहीं नामों की सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद घर–घर जाकर संबंधित मतदाता की वर्तमान स्थिति का भौतिक सत्यापन होगा। पात्र पाए जाने पर फार्म–6 भरवाकर नाम जोड़ने की प्रक्रिया में मदद की जाएगी। प्रत्येक बीएलओ एक सप्ताह में कम से कम 20 से 25 मतदाताओं से संपर्क कर एक माह में सत्यापन का कार्य पूरा करेंगे। तैयार तुलनात्मक सूची और भरे गए फार्म–6 की जानकारी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों व निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ साझा की जाएगी। आवेदनों पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियमों के तहत ईआरओ नियमानुसार निर्णय लेंगे।

सरयू तट से छोटी देवकाली मंदिर तक निकली शक्ति वाहिनी की भव्य कलश यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। शारदीय नवरात्र की पूर्व संध्या पर शनिवार को शक्ति वाहिनी की ओर से 26वीं कलश यात्रा निकाली गई। मां सरयू के तट पर वरुण पूजन के बाद गाजे–बाजे के साथ शुरू हुई यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। मां के जयकारों से रामनगरी गूंज उठी। नयाघाट से शुरू हुई यात्रा बाबू बाजार, श्रृंगारहाट, हनुमानगढ़ी और हरिद्वारी बाजार होते हुए छोटी देवकाली मंदिर पहुंची। यहां पूजन–अर्चन के बाद प्रसाद वितरित किया गया। मार्ग में जगह–जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया।आचार्य पीठ तिवारी मंदिर के सामने महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने पत्नी राजलक्ष्मी त्रिपाठी के साथ माता रानी की आरती उतारी। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार प्रतिपदा तिथि के शुभ मुहूर्त में देवी अनुष्ठान प्रारंभ करना चाहिए और दशमी तिथि को विसर्जन करना चाहिए।

केंद्रीय दुर्गापूजा एवं रामलीला समन्वय समिति के संयोजक महंत धनुषधारी शुक्ल ने बताया कि पिछले 25 वर्षों से नवरात्र की पूर्व संध्या पर यह यात्रा निकाली जा रही है। समिति के अध्यक्ष रमापति पांडेय ने कहा कि कलश यात्रा सनातन परंपरा का हिस्सा है। अनुष्ठान से पहले पवित्र नदी से जल भरकर कलश स्थापित किया जाता है। इसी क्रम में महिलाएं सरयू जल से अपने घरों में कलश स्थापित कर नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा करेंगी।शक्ति वाहिनी प्रमुख बिंदु सिंह ने कहा कि यात्रा में महिलाएं उत्साहपूर्वक शामिल होती हैं और कलश स्थापित कर नौ दिनों तक मां की आराधना करती हैं। समिति के प्रवक्ता भानु प्रताप सिंह ने आयोजन में शामिल माताओं–बहनों और सहयोगियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा धार्मिक परंपराओं के संरक्षण और नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति से जोड़ने का माध्यम है।आचार्य अशोक शास्त्री ने वरुण पूजन कराया। यात्रा में प्रथम में ऋषिकेश उपध्याय, अभिषेक उपाध्याय, क्षेत्रीय प्रभारी अवधेश द्विवेदी,वंदना त्रिपाठी, पार्वती कौशल, दया मिश्रा, आंचल यादव, प्रभादेवी, अनीता सिंह, अंजू सिंह, गरिमा आचार्य, उर्मिला तिवारी, इंद्रावती, रंजन सागर, महासचिव श्रीनिवास शास्त्री, यात्रा प्रभारी दीपचंद्र राही, देवर्षि राम त्रिपाठी, सुरक्षा प्रभारी पंकज गुप्ता, मंगल गुप्ता और अनिल सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल रहे।

ई–रिक्शा चालक से लूट, 2 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। देहात कोतवाली पुलिस ने शनिवार शाम 4रू30 बजे ई–रिक्शा चालक से लूटपाट के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान सिराज अली और रिजवान के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया ई–रिक्शा भी बरामद किया है। मामले में शामिल तीसरे आरोपी की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित रामनाथ मौर्य ने 8 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि रात करीब 11 बजे जिला अस्पताल के सामने तीन लोगों ने उनका ई–रिक्शा बुक किया था। इसके बाद वे ई–रिक्शा लेकर खिरौरा मोहन क्रॉसिंग के पास स्थित देशी शराब के ठेके के पास पहुंचे। आरोप है कि वहां तीनों ने रामनाथ के साथ मारपीट की और ई–रिक्शा लूटकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर देहात कोतवाली पुलिस ने 8 अक्टूबर को ही तीन आरोपियों के खिलाफ लूट और मारपीट का मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी थी। शनिवार, 10 अक्टूबर को शाम करीब 4:30 बजे पुलिस टीम संदेशवा क्रॉसिंग रोड पर जांच कर रही थी। इसी दौरान ई–रिक्शा पर सवार दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो दोनों भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। ई–रिक्शा की नंबर प्लेट की जांच करने पर वाहन रामनाथ मौर्य के नाम पर दर्ज मिला। इसके बाद पुलिस ने सिराज अली और रिजवान को गिरफ्तार कर लिया।

देहात कोतवाली प्रभारी शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि आरोपियों ने जिला अस्पताल के सामने से ई–रिक्शा बुक कराया था। रास्ते में चालक के साथ मारपीट कर वाहन लूट लिया गया था। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। मामले की आगे जांच की जा रही है और तीसरे आरोपी की भूमिका का भी पता लगाया जा रहा है।

मरने के बाद साथी ने सड़क–किनारे युवक को फेंका, 24 घंटे बाद धान के खेत में मिला शव, आरोपी फरार

संवाददाता–बहराइच। बिजली के खंभे पर काम करने गए 35 वर्षीय रामतेज की मौत हो गई। शनिवार सुबह 7 बजे उनका शव भौंरी ग्राम सभा में सड़क किनारे धान के खेत में पड़ा मिला। रामतेज शुक्रवार सुबह गांव के ही एक युवक के साथ काम करने निकले थे, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटे। परिजनों ने रामतेज के साथी शिवपूजन पर हादसे के बाद समुचित इलाज न कराने और मौत के बाद शव खेत में फेंककर फरार होने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना जिला मुख्यालय से करीब 35 किलो मीटर दूर बौण्डी थाना क्षेत्र का है।

मामला बौण्डी थाना क्षेत्र के घूरदेवी गांव का है। मृतक की भावज सुन्दरी देवी, पत्नी नौमीलाल, के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे गांव का ही शिवपूजन पुत्र पुसई उनके जेठ रामतेज को अपने साथ काम पर ले गया था। रामतेज मजदूरी करके परिवार का भरण–पोषण करते थे। परिजनों को उम्मीद थी कि वह रोज की तरह काम खत्म होने के बाद घर लौट आएंगे, लेकिन शाम तक उनके वापस नहीं आने पर परिवार

के लोग परेशान होने लगे। सुन्दरी देवी ने बताया कि रामतेज के घर नहीं पहुंचने पर उनकी तलाश शुरू की गई। कई बार फोन करने का प्रयास किया गया, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था। परिवार के लोग रातभर उनके बारे में जानकारी जुटाते रहे, मगर कोई सुराग नहीं मिला।

परिजनों की पड़ताल में पता चला कि शिवपूजन रामतेज को फखरपुर क्षेत्र के भिलौरा बसन्ती स्थित बसहिया गांव में काम कराने के लिए ले गया था। परिजनों का आरोप है कि वहां रामतेज को बिजली के खंभे पर चढ़ाया गया था। इसी दौरान खंभा टूटकर गिर पड़ा और रामतेज उसके नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों के मुताबिक, हादसे के बाद शिवपूजन घायल रामतेज को वजीरगंज स्थित वकील अहमद के निजी नर्सिंग होम ले गया। वहां डॉक्टर ने रामतेज की गंभीर हालत देखते हुए उन्हें किसी बड़े अस्पताल में ले जाने की सलाह दी थी। हालांकि, परिजनों का आरोप है कि रामतेज को समुचित इलाज नहीं मिल सका। हादसे के बाद उन्हें कहां और किस स्थिति में रखा गया, इसकी पूरी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। शुक्रवार को लापता हुए रामतेज का शनिवार सुबह करीब सात बजे शव मिलने की सूचना ग्रामीणों को मिली। भौंरी ग्राम सभा में सड़क किनारे धान के खेत में शव पड़ा था। जानकारी मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शव की पहचान रामतेज के रूप में हुई। इसके बाद परिवार के लोगों में चीख–पुकार मच गई। रामतेज की भावज सुन्दरी देवी ने आरोप लगाया कि मौत के बाद शिवपूजन ने शव को धान के खेत में फेंक दिया और मौके से फरार हो गया। परिजनों ने मामले में हत्या और साक्ष्य छिपाने की आशंका जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों की अभी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। मौत की परिस्थितियों और घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद बौण्डी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।

समाधान दिवस में एसडीएम ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

संवाददाता–बहराइच। मोतीपुर थाने में शनिवार को थाना समाधान दिवस आयोजित किया गया। एसडीएम मोनालिसा जौहरी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में फरियादियों की समस्याएं सुनी गईं। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निपटारे में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए। शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि पीड़ितों को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने शिकायतों के निपटारे में अनावश्यक देरी से बचने पर भी जोर दिया। समाधान दिवस में जिन शिकायतों का तत्काल निस्तारण नहीं हो सका, उनके संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने कहा कि ऐसे मामलों में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर जांच कराई जाए, ताकि तथ्यों के आधार पर जल्द समाधान निकाला जा सके। भूमि विवाद से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण में राजस्व और पुलिस विभाग के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर जोर दिया गया। एसडीएम ने निर्देश दिया कि दोनों विभाग आपसी समन्वय से मामलों की जांच करें। इससे विवादों की स्थिति स्पष्ट करने और नियमानुसार कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।

एसडीएम ने अधिकारियों को चेताया कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। हर मामले में कार्रवाई की गुणवत्ता और समयसीमा का ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों को गंभीरता से सुनकर उनका उचित समाधान करना प्रशासनिक जिम्मेदारी है। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि लोगों की समस्याओं का प्रभावी समाधान करना है। समय पर कार्रवाई होने से फरियादियों को राहत मिलेगी और प्रशासन के प्रति उनका भरोसा भी मजबूत होगा। थाना समाधान दिवस के दौरान सीओ मिहीपुरवा, तहसीलदार मिहीपुरवा, थानाध्यक्ष मोतीपुर और राजस्व विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

एनएचएम कर्मचारी मांगों को लेकर आंदोलन पर डटे, नियमितीकरण, समान वेतन और सुरक्षा की मांग, बड़े आंदोलन की चेतावनी दी

संवाददाता–संतकबीर नगर। संयुक्त संघर्ष मोर्चा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के आह्वान पर चल रहे प्रदेशव्यापी महाआंदोलन के तहत शनिवार को अवकाश के दिन भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर में छंब्द कर्मियों का कार्य बहिष्कार और धरना–प्रदर्शन जारी रहा। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार एकजुटता प्रदर्शित की और शासन से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। धरना–प्रदर्शन का समापन शाम 4 बजे हुआ। कर्मचारियों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदेशव्यापी महाआंदोलन के क्रम में संतकबीर नगर के एनएचएम कर्मी भी लगातार अपनी आवाज उठा रहे हैं। अवकाश के दिन भी धरना जारी रखकर कर्मचारियों ने मांगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

कर्मचारियों ने राज्य आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था लागू करने, एनएचएम कर्मियों के नियमितीकरण, समान कार्य–समान वेतन, सम्मानजनक एवं एकरूप वेतन नीति और सेवा सुरक्षा की मांग उठाई। इसके साथ ही ईपीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराने, आउटसोर्स कर्मियों के समायोजन और समयबद्ध वेतन भुगतान की मांग भी की। कर्मचारियों का कहना है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत कर्मी लंबे समय से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें नियमित कर्मचारियों के समान सेवा सुरक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। ऐसे में शासन को उनकी समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लेकर मांगों के समाधान के लिए ठोस पहल करनी चाहिए।

जिला संयोजक दीनदयाल वर्मा ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर संगठन पूरी एकजुटता के साथ संघर्ष कर रहा है। प्रदेशव्यापी महाआंदोलन के तहत संतकबीर नगर के एनएचएम कर्मी भी लगातार धरना–प्रदर्शन कर रहे हैं। मांगों के समाधान के लिए संगठन का संघर्ष चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा। जिलाध्यक्ष राजेश पांडेय ने कहा कि लखनऊ में चल रहे महाआंदोलन में भी संतकबीर नगर के कर्मचारियों की मांगों और संघर्ष की आवाज उठाई जा रही है। उन्होंने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने वाले एनएचएम कर्मियों को सम्मानजनक वेतन, सेवा सुरक्षा और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कराना है। कर्मचारियों ने शासन से मांग की कि स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले छंब्द कर्मियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत संतकबीर नगर में भी धरना–प्रदर्शन और अन्य आंदोलनात्मक कार्यक्रम जारी रहेंगे। धरना–प्रदर्शन में महेंद्र त्रिपाठी, हरिओम सिंह, अभय त्रिपाठी, दिनेश पांडेय, आनंद मौर्या, अबू बकर, सुरजीत सिंह, डॉ. रवीन्द्र चौधरी, डॉ. देवेन्द्र, दीप आर्या, मनोज मिश्र, नंदिनी राय, नम्रता, शालिनी पांडेय, रवि यादव, आशीष विश्वकर्मा और डॉ. कमलेश सहित बड़ी संख्या में छम्द एवं स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष के आह्वान पर दिल्ली रवाना हुए कांग्रेसी

संवाददाता–गोरखपुर। संविधान, लोकतंत्र और मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए 12 अक्टूबर को दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने के लिए गोरखपुर के कांग्रेसी रवाना होने लगे हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना के आह्वान पर पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचने की तैयारी में जुटे हैं। आंदोलन के समर्थन में प्रदेश अध्यक्ष ने 12 अक्टूबर को प्रस्तावित अपने स्वागत समारोह को भी स्थगित कर दिया है। आराधना मिश्रा मोना ने पार्टी के सभी जिला और शहर अध्यक्षों, पूर्व एवं वर्तमान प्रदेश पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों, संगठन के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पत्र जारी कर आंदोलन को मजबूत करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संविधान, लोकतंत्र और मतदान के अधिकार की सुरक्षा के लिए कांग्रेस लगातार आंदोलन और संघर्ष कर रही है। ऐसे समय में स्वागत समारोह आयोजित करना उचित नहीं है।

उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन को और धार देने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से लोकतांत्रिक और अहिंसक तरीके से संघर्ष जारी रखने की अपील की। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने की जरूरत है। अराधना मिश्रा मोना ने पत्र में कहा कि कुछ समय बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद और देवेंद्र निषाद समेत अन्य नेताओं के साथ बैठक कर आगे की रणनीति पर विचार–विमर्श किया जाएगा। कांग्रेस महासचिव राजेंद्र पाल गौतम के मार्गदर्शन में संगठन की आगामी गतिविधियों पर चर्चा होगी।

वायरल संक्रमण में एंटीवायरल दवाओं का सही इस्तेमाल जरूरी

संवाददाता–गोरखपुर। वायरल संक्रमण के इलाज में एंटीवायरल दवाओं का विवेकपूर्ण इस्तेमाल जरूरी है। बिना जरूरत इन दवाओं के इस्तेमाल से भविष्य में इलाज के दौरान चुनौतियां बढ़ सकती हैं। सांस संबंधी संक्रमण में सही दवा का चयन, उसके इस्तेमाल की जरूरत और मरीज की स्थिति को ध्यान में रखकर इलाज करना सबसे अहम है। एम्स गोरखपुर के डॉ. अरूप मोहंती ने एम्स बठिंडा में आयोजित एक सिम्पोजियम में इन बिंदुओं पर अहम जानकारी साझा की। डॉ. अरुप ने बताया कि सांस संबंधी संक्रमण अलग–अलग वायरस के कारण हो सकते हैं। ऐसे में हर मरीज को एंटीवायरल दवा देना जरूरी नहीं होता। संक्रमण के प्रकार, बीमारी की गंभीरता और मरीज की स्थिति के अनुसार ही दवा का चयन किया जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने एम्स के कई केस भी जिक्र किया। सिम्पोजियम में एम्स बठिंडा और एम्स पटना के विशेषज्ञों ने अध्यक्ष की भूमिका निभाई। जबकि, एम्स रायबरेली और मणिपाल अस्पताल के विशेषज्ञों ने भी अलग–अलग विषयों पर विचार रखे।

प्रतिबंधित मांझे ने ली युवक की जान

संवाददाता–गोरखपुर। प्रतिबंधित मांझे की चपेट में आने से शनिवार दोपहर मोपेड सवार रमेश कन्नौजिया (35) की मौत हो गई। रास्ते में उनकी गर्दन में मांझा फंस गया, जिससे गर्दन कट गई और वह लहूलुहान होकर गिर पड़े। गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

तिवारीपुर क्षेत्र के सूरजकुंड निवासी रमेश शनिवार दोपहर करीब एक बजे मोपेड से जा रहे थे। इसी दौरान प्रतिबंधित मांझा उनकी गर्दन में फंस गया। धारदार मांझे से गर्दन कटने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सक उनकी जान नहीं बचा सके। रमेश माधोपुर न्यू कालोनी में पत्नी पूर्णिमा और दो बच्चों के साथ रहते थे। उनकी 11 वर्षीय बेटी अपर्णा और सात वर्षीय बेटा आर्यन है। रमेश की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। रमेश घंटाघर स्थित केडिया की कॉस्मेटिक फर्म में काम करते थे। तीन भाइयों में वह दूसरे नंबर पर थे। बड़े भाई बबलू अलग रहते हैं, जबकि छोटा भाई महेश उनके साथ रहता है और निजी काम करता है। रमेश के पिता फकीरे और मां मुन्नी देवी घसीकटरा में रहते हैं। माता–पिता की देखभाल की जिम्मेदारी भी रमेश ही संभालते थे। उनकी मौत से पत्नी और बच्चों के साथ बुजुर्ग माता–पिता भी बेसहारा हो गए हैं।

गैस सिलिंडर मरम्मत के दौरान लगी आग, बुजुर्ग दंपती समेत चार घायल

संवाददाता–गोरखपुर। घरेलू गैस सिलिंडर की खराबी ठीक करते समय हुई असावधानी से राप्तीनगर फेज एक स्थित मकान में आग लग गई। आग की चपेट में आकर बुजुर्ग दंपती समेत चार लोग झुलस गए। इनमें सिलिंडर ठीक करने पहुंचा गैस एजेंसी का हाकर भी शामिल है। तीन घायलों को बीआरडी मेडिकल कालेज के नेहरु अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि हाकर का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। शाहपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। यह घटना शनिवार की सुबह 11 बजे राप्तीनगर फेज एक स्थित मकान नंबर एलआइजी–156 की है। यहां रहने वाले 75 वर्षीय रंजन दास के घरेलू गैस सिलिंडर में कुछ समस्या आ रही थी। उसे ठीक कराने के लिए उन्होंने गैस एजेंसी के हाकर 40 वर्षीय इंद्रेश को बुलाया था। इंद्रेश सिलिंडर की मरम्मत कर रहा था। इसी दौरान गैस रिसाव की जांच करते समय आग लग गई। आग फैलते ही घर में मौजूद लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला और वे इसकी चपेट में आकर झुलस गए। हादसे में रंजन दास, उनकी 70 वर्षीय पत्नी जया दास और हरसेवकपुर निवासी 65 वर्षीय दशावती देवी झुलस गईं। दशावती देवी, रंजन दास के घर पर मौजूद थीं। सिलिंडर ठीक कर रहे हाकर इंद्रेश के हाथ भी झुलस गए। परिजनों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घर में आग लगने की सूचना पीआरवी के माध्यम से पुलिस को मिली। इसके बाद शाहपुर थाने की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने आग बुझाने में मदद की और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह ने बताया कि घायलों की स्थिति खतरे से बाहर है।

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्र में भोपा रेलवे क्रॉसिंग के पास शनिवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से करीब 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 8:15 बजे क्रॉसिंग के गेट संख्या 147 बी के पास बुजुर्ग ट्रेन की चपेट में आ गए। जानकारी मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और आरपीएफ ने मृतक की शिनाख्त का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद जीआरपी देवरिया ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मातृ मृत्यु के कारणों की हुई समीक्षा

संवाददाता–गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग, एम्स, बीआरडी और जिला महिला अस्पताल के जिम्मेदारों की मौजूदगी में मातृ मृत्यु के कारणों की समीक्षा की गई। तय किया गया कि सभी संस्थान आपसी समन्वय को और मजबूत बना कर मातृ मृत्यु को नियंत्रित करेंगे। सीएमओ डॉ. राजेश झा ने बताया कि मई में शुरू हुए मातृ सेवा कार्यक्रम के कारण जिले में तीन माह में अनुमानित 50 के सापेक्ष मातृ मृत्यु घट कर 19 हो गयी। इस उपलब्धि में योगदान देने वाले चिकित्सकों व कर्मियों को इस अवसर पर सम्मानित भी किया गया।

ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा, बैलेट पेपर से चुनाव कराने को लेकर भाकियू प्रदर्शन कर सौपा ज्ञापन

संवाददाता–अयोध्या। दिल्ली के जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी, अधिवक्ताओं, युवाओं द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन के समर्थन में गांधी पार्क सिविल लाइंस में गांधी प्रतिमा के समक्ष एक दिवसीय धरना देकर महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार को तीन सूत्रीय ज्ञापन जिला अधिकारी अयोध्या के माध्यम से भेज कर समस्या समाधान की मांग किया गया।

ज्ञापन को धरना स्थल पर पहुंचकर नायब तहसीलदार उत्पल आनंद ने प्राप्त किया। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे भारतीय किसान यूनियन की राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त की कार्यशैली निष्पक्ष ना होकर पक्षपात पूर्ण रहती है जिसके कारण फर्जी वोटो के सहारे सरकारें बन रही हैं इसलिए ज्ञानेश कुमार को तुरंत इस्तिफा देना चाहिए, घनश्याम वर्मा ने कहा कि फर्जी वोटो के सहारे बनी भारत सरकार को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाय, और ईवीएम मशीन को हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराया जाना जाय।

घनश्याम वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी के निर्देशानुसार एकदिवसीय कार्यक्रम किया गया है भविष्य में जो भी आदेश निर्देश प्राप्त होंगे उसका शत प्रतिशत पालन किया जाएगा।जिला अध्यक्ष राम गणेश मौर्य ने कहा कि अयोध्या के कार्यकर्ता व पदाधिकारी पूरी तरह से तैयार हैं भाकियू सुप्रीमो का आदेश होते ही जत्था रवाना होगा प्रदर्शन में मंडल सचिव भोला सिंह टाइगर, जिला उपाध्यक्ष भागीरथी वर्मा, जिला महासचिव विजय प्रताप वर्मा, जिला सचिव सती प्रसाद वर्मा ,जगन्नाथ पटेल, मोहम्मद अली, जितेंद्र कुमार, तहसील अध्यक्ष प्रेम शंकर वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष गण सुनील कुमार पाल, चंद्र भाई पटेल,जगदीश यादव, मंसाराम वर्मा,मस्तराम वर्मा विवेक पटेल अश्वनी कुमार बुद्धिराम मौर्य,रामसागर, जसमता देवी, रामावती देवी आदि का ही दर्जन लोग उपस्थित रहे।

मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलिः सपा कार्यकर्ताओं ने अर्पित किए पुष्प, सामाजिक न्याय के लिए योगदान याद किया

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ में समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शनिवार को सपा संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की चौथी पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने नेताजी के चित्र पर फूल चढ़ाकर उन्हें याद किया। जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी ने कहा कि नेताजी का संघर्ष, समाजवादी सोच और गरीब, किसान, नौजवानों के लिए उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने अपना पूरा जीवन सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को समर्पित किया। उनकी नीतियों ने पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में जोड़ने का काम किया। वक्ताओं ने बताया कि नेताजी की विरासत आज भी पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से समाजवादी आंदोलन को मजबूत करने और उनके आदर्शों पर चलने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में छात्रसभा अध्यक्ष विष्णु उमर, जिला सचिव रामू यादव, नागेश्वर मिश्र, ब्राह्मण सभा अध्यक्ष रामरक्षपत पांडे, गुड्डू सिंह, गोलू, राजू पांडे, विजय गुप्ता और अली अहमद समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। आखिर में सभी ने नेताजी के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

जोगिया चौराहे पर सपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा की। मुलायम सिंह यादव का निधन 10 अक्टूबर 2022 को हुआ था। यह सभा रवि शंकर यादव के नेतृत्व में हुई। कृष्ण नाथ यादव ने मुलायम सिंह यादव के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किसान परिवार में जन्मे नेताजी ने

मुश्किल हालात में भी समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाया। सपा प्रदेश सचिव कमाल अहमद खान और कपिलवस्तु विधानसभा विधायक प्रत्याशी के रूप में दावेदारी कर रहे महेश कनौजिया ने मुलायम सिंह यादव के चित्र पर फूल चढ़ाए। रवि शंकर यादव ने समाजवादी विचारधारा की तारीफ की, कहा नेताजी ने ऊंच–नीच व जाति–पाति से ऊपर उठकर राजनीति को नई दिशा दी।

इस मौके पर रवि शंकर यादव, महेश कनौजिया, कमाल अहमद खान, कमरूज्जमा खान, जोखन चौधरी, राजू चौधरी, अब्दुल कलाम सिद्दीकी, सतीश चौधरी, पंच गुलाम जायसवाल, पिंगल भारती, घनश्याम शर्मा, प्रदीप कर पाठक, कृष्णनाथ यादव, सुग्रीव यादव, रामरूप पांडे समेत कई लोग मौजूद थे।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर शनिवार को डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के तिगोड़वा गांव में श्रद्धांजलि कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर डुमरियागंज की विधायक सैय्यदा खातून ने कहा कि नेताजी का संघर्ष, उनके विचार और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम को सपा जिला अध्यक्ष लालजी यादव और पूर्व विधायक अमर सिंह चौधरी समेत कई अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया।

इस दौरान अफसर रिजवी, मोहम्मद हमजा, पप्पू सिद्दीकी, बच्चा राम बौद्ध, अयूब मलिक, धीरज साहनी, जिला पंचायत सदस्य तिलक राम यादव, बिहारी लाल यादव, श्याम सुंदर यादव, राम प्रसाद दुबे, प्रधान पिंटू तिवारी, राधेश्याम तिवारी, पुरुषोत्तम पांडेय, शकील, राम शब्द प्रधान और नजीब मलिक सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

बाइक चोर गिरोह का खुलासा, चार गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पुलिस ने शनिवार 10 अक्टूबर को बाइक चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया। दोपहर 3 बजे एडिशनल एसपी प्रशांत कुमार प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। पुलिस ने एक युवक और तीन नाबालिगों को पकड़ा है। इनके पास से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें और 36,100 रुपए नकद बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में जिले के छह थाना क्षेत्रों में हुई सात बाइक चोरियों का खुलासा हुआ है। इनमें सिद्धार्थनगर, मोहाना, चिल्हिया, लोटन, गोल्हौरा और मिश्रौलिया थाना क्षेत्र शामिल हैं। पकड़े गए युवक की पहचान पथरा बाजार कस्बा निवासी अमित अग्रहरि के रूप में हुई है। उसे कोर्ट भेज दिया गया है। तीनों नाबालिगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपियों को 9 अक्टूबर की रात जमुआर नाला के पास चेकिंग के दौरान पकड़ा। पुलिस टीम रात में गश्त कर रही थी और संदिग्धों की जांच कर रही थी। इसी दौरान तीन बाइकों पर चार लोग पहुंचे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो वे भागने लगे। टीम ने घेराबंदी कर चारों को पकड़ लिया।

राजभर बोले- अखिलेश को हमारी चिंता सता रही, धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक मंच बनाने और चुनाव आयोग पर आरोप लगाने पर साधा निशाना

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें हमारी चिंता करने की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें खुद हमारी चिंता सता रही है। अखिलेश यादव जो कर रहे हैं, उससे उनका ही नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा, हमारी नाव के रक्षक सुदर्शन चक्रधारी हैं।

शनिवार को अम्बेडकरनगर में एक कार्यक्रम में पहुंचे राजभर ने अयोध्या में भागवत कथा के दौरान समाजवादी पार्टी के समर्थन में हुई नारेबाजी को लेकर अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहाकि लोग कथा सुनने आए थे, राजनीतिक भाषण सुनने नहीं।

राजभर ने सवाल उठाया कि जब भगवान राम और भगवान कृष्ण एक ही स्वरूप हैं, तो अखिलेश यादव मंदिर में दर्शन करने क्यों नहीं गए? उन्होंने हनुमानगढ़ी में दर्शन नहीं करने को लेकर भी सपा प्रमुख पर निशाना साधा।

राजभर ने कहाकि अखिलेश यादव की राजनीति में विरोधाभास दिखाई देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर सपा प्रमुख भाजपा के खिलाफ बयान देते हैं, वहीं दूसरी ओर राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा के आठवें प्रत्याशी को जिताने को लेकर भी सवाल उठे थे।

राजभर ने सपा के एक राज्यसभा सांसद की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा किए जाने का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि अखिलेश यादव ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहाकि यदि कोई दूसरा नेता ऐसा करता, तो उसके खिलाफ कार्रवाई हो जाती।

चुनाव आयोग के खिलाफ कांग्रेस के आंदोलन पर राजभर ने कहा कि छात्रों की समस्याओं को लेकर आंदोलन करना अलग बात है, लेकिन अब इस मुद्दे पर राजनीति की जा रही है। उन्होंने चुनाव आयोग के प्रमुख ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि उन्हें यह समस्या अभी दो साल ही हुए हैं, जबकि कांग्रेस कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता से बाहर है। ऐसे में चुनावी हार के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है।

राजभर ने आरोप लगाया कि जनता विपक्ष को नकार रही है और चुनाव आयोग पर लगाए जा रहे आरोप हताशा का परिणाम हैं।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 286/2026

1– दिनेश कुमार मिश्र उम्र करीब 51 वर्ष पुत्र स्व0 भगवती प्रसाद मिश्र
2. राकिश कुमार मिश्र उम्र करीब 47 वर्ष पुत्र स्व0 भगवती प्रसाद मिश्र निवासीगण ग्राम इन्द्रीग्रान्ट टोला फुलवापुर तप्पा कोट तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण

बनाम

इस्टेट

तारीख पेशी– 21.10.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने देवर/भाभी मृतक गायत्री मिश्रा को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 10 के 21 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 10 के 09 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 262/2026

1– दीपक उम्र करीब 33 वर्ष पुत्र स्व0 राम किशोर निवासी शाहपुर मुस्तहकम तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर

प्रार्थी

बनाम

इस्टेट

तारीख पेशी– 12.10.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पिता/पुत्र मृतक रामकिशोर को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 10 के 12 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 10 के 09 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0–258/2025

रामकृष्ण

बनाम

भानु प्रकाश आदि

1. भानु प्रकाश (मृतक)
1/1 राकेश पाण्डेय (मृतक)
1/1/1 नीलाश 1/1/2 अनुराग पुत्रगण स्व0 राकेश पाण्डेय 1/1/3 पदमावती बेवा स्व0 राकेश पाण्डेय 1/2 राजेश पाण्डेय पुत्र भानु प्रकाश 1/3 आरती बेवा स्व0 भानु प्रकाश 1/4 किरन पुत्री स्व0 भानु प्रकाश साकिनान मौजा महरीखांवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

–विपक्षीगण प्रथम वर्ग

2. प्रेमनरायन 3. रूद्रप्रकाश 4. मनीष पुत्रगण चन्द्रकान्त साकिनान मौजा महरीखांवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 22–10–2026

चूंकि उपरीनामांकित वादी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2026 के माह 10 के 22 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

सात दिवसीय योग कार्यशाला का शुभारंभ

संवाददाता–गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से शनिवार को सात दिवसीय योग कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। 'स्वस्थ जीवन व संतुलित मनरू योग के साथ' विषय पर आयोजित कार्यशाला में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की डॉ. प्रज्ञा सिंह मुख्य अतिथि रहीं। कहा कि योग मन को स्थिर और सकारात्मक रखने के साथ कार्यक्षमता बढ़ाने में भी मदद करता है। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों से अपनी दिनचर्या में योग और प्राणायाम को शामिल करने की अपील की।

दैनिक
भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com